वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 69 | बुधवार 3 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित

किशनगढ़, झालावाड़ और भीलवाड़ा में खुलेंगे फ्लाइंग स्कूल

कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और जयपुर में बनेगी एयरोसिटी। अक्षय ऊर्जा संयत्रों को बढ़ावा देने के लिए। भूमि आवंटन नियमों में संशोधन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश में विमानन क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के विकास, बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दृष्टि से नियमों में संशोधन और गांधी दर्शन संग्रहालय के संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

तीन महाविद्यालयों का नामकरण

उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा ने बताया कि दानदाताओं को सम्मानित करने एवं प्रोत्साहन करने के उद्देश्य से चूरू जिले के राजकीय महाविद्यालय, साहवा का नामकरण श्रीमती मोहनी देवी चाचान राजकीय महाविद्यालय, साहवा, बाड़मेर जिले के राजकीय महाविद्यालय, धोरीमन्ना का नामकरण शांति देवी उदयराज गांधी राजकीय महाविद्यालय, धौरीमन्ना एवं बीकानेर जिले के राजकीय कन्या महाविद्यालय, श्रीडूंगरगढ़ का नामकरण राजकीय सदू देवी पारख कन्या महाविद्यालय, श्रीडूंगरगढ़ करने की स्वीकृति मंत्रिमंडल द्वारा प्रदान की गई।

अक्षय ऊर्जा नीति, 2023 के प्रावधानों में संशोधन: उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में अक्षय ऊर्जा नीति, 2023 एवं राजस्थान भू-राजस्व (अक्षय ऊर्जा पर आधारित विद्युत संयत्रों की स्थापना हेतु राजकीय भूमि का आवंटन) नियम, 2007 के प्रावधानों में संशोधन किये जाने संबंधी प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। उन्होंने बताया कि राजस्थान को बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य सरकार की ओर से विद्युत क्षेत्र में करीब सवा दो लाख करोड़ रुपए के एमओयू किए जा चुके हैं। अब इन संशोधनों से प्रदेश में बिजली क्षेत्र में 2 लाख करोड़ के नए निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में उपलब्ध सौर विकिरण का समुचित उपयोग करने हेतु आवंटन नियमों में प्रासंगिक बदलाव किया गया है जिससे सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन डीएलसी दर के 7.5 प्रतिशत पर किया जा सकेगा। साथ ही, अब 2 हैक्टेयर भूमि पर एक मेगावाट की दर से सौर ऊर्जा उत्पादन हो सकेगा। इससे राजस्व अर्जन में बढ़ोतरी के साथ निवेश व रोजगार के नवीन अवसर सृजित होंगे। साथ ही, अक्षय ऊर्जा से उत्पादित विद्युत का अधिकांश भाग राज्य को प्राप्त हो सकेगा।

गांधी वाटिका अधिनियम को समाप्त करने के लिए आएगा विधेयक

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गांधी वाटिका न्यास, जयपुर अधिनियम-2023 को समाप्त करने के लिए विधानसभा में विधेयक लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2023 में लाए गए अधिनियम की विभिन्न धाराओं में उपाध्यक्ष को असीमित वित्तीय शक्तियां दी गई थी। न्यास से संबंधित किसी भी प्रकार की स्थावर सम्पत्ति का विक्रय, बंधक या निपटान करने का अधिकार उपाध्यक्ष को दिया गया था। मनोनीत उपाध्यक्ष को हटाने के संबंध में किसी भी प्रकार का प्रावधान भी उक्त अधिनियम में नहीं किया गया था। ये प्रावधान राज्य हित में नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गांधी दर्शन संग्रहालय का संचालन किया जाता रहेगा।

नागरिक विमानन नीति 2024 को मंजूरी

कर्नल राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिक विमानन नीति 2024 को मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने बताया कि यह नीति विमानन प्रशिक्षण सुविधाओं, विमानन रखरखाव सेवाओं को बढ़ाने और एयरोस्पेस गतिविधियों को विकसित करने पर केन्द्रित है। इसके अंतर्गत किशनगढ़, झालावाड़ और भीलवाड़ा में फ्लाइंग स्कूल खोले जाएंगे और कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर में एयरोसिटी बनाई जाएगी जिसमें होटल, रेस्त्रां सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रदेश के विभिन्न हवाई अड्डों पर कार्गो सुविधा प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस नीति के तहत प्रदेश की पुरानी हवाई पट्टियों को मरम्मत कर पुनः उड़ान योग्य बनाया जाएगा।

विश्वविद्यालय वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करें : राज्यपाल

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालय वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों को कौशल विकास से संबंधित शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए "विकसित भारत 2047" की संकल्पना को साकार करने का आह्वान किया। राज्यपाल मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में कन्या छात्रावास, धनवन्तरी भवन एवं बॉस्केबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस कोर्ट का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि नव जीवन का प्रारंभ है। यह वह अवसर है जब विद्यार्थी प्राप्त शिक्षा का राष्ट्र और समाज के उत्थान में उपयोग करने के लिए तैयार होता है। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने साक्षी जैन को कुलाधिपति पदक, पूजा साहू को कुलपति पदक, जबकि 60 छात्र-छात्राओं स्वर्ण पदक एवं 49 विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान की।

महावीर इंटरनेशनल के गोल्डन जुबली सेवा सप्ताह का शुभारंभ

डूंगरपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा द्वारा संस्था की स्थापना के स्वर्णजयंती समारोह के वर्ष भर चलने वाले गोल्डन जुबली आयोजनों का सभी 24 केंद्रों के माध्यम से शुभारंभ किया गया। एम आई के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की डुंगरपुर, बांसवाड़ा, गढ़ी परतापुर, डडूका, सागवाड़ा वामा, गांगडतलाई, कुशलगढ़, अरथूना, खोड़न, कलिंजरा, बागीदौरा, नौगामा, घाटोल, डुंगरपुर प्रियदर्शना, बांसवाड़ा माही, प्रतापगढ़, कनबा, बड़ोदिया, तलवाड़ा, डुंगरपुर युथ, बागीदौरा वीरा तथा नवगठित पीठ केंद्र के माध्यम से सेवा सप्ताह मे कपड़े की थैली मेरी सहेली, सुकून की छांव, वृक्षा रोपण, पर्यावरण संरक्षण, सेनेटरी नेपकिन वितरण, बेबी कीट वितरण और नेत्र चिकित्सा शिविर जैसे कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। जोन के कई केंद्रों ने डॉक्टर्स सम्मान, सी ए सम्मान और कृषक सम्मान आयोजनों से सेवा सप्ताह का आगाज किया। कपड़े की थैली के माध्यम सिंगल यूज प्लास्टिक प्रयोग न करने का आह्वान किया गया। जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, सेक्रेटरी विनोद दोसी, जोन कॉर्डिनेटर नयनेश जानी, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, विनोद दोशी डुंगरपुर, अपेक्स ट्रस्टी डूंगरलाल पटेल, सुरेश गांधी,सुंदरलाल पटेल, प्रीतल पंड्या, राजमल सोनी, डा. आर के मालोत, भुवनेश्वरी मालोत, तिलक नंदिनी शाह, विजय जैन, प्रेरणा शाह, अजीत मुंगनिया, डा. पंचाल, कोमल भरड़ा सहित सभी पदाधिकारियो ने स्वर्ण जयंती वर्ष पर शुभकामनाए दी है। कोठिया ने बताया की मुख्य समारोह 7 जुलाई को दिल्ली के मानेक शॉ ऑडिटोरियम में आयोजित हो रहा है जिसमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति रमानाथ कोविंद आशीर्वाद देने पधारने वाले हैं। वागड़ जोन से इस आयोजन में 35 सदस्यीय दल हिस्सा ले रहा है।

गरीब कन्याओं के विवाह से शुरू हुआ अंबानी परिवार का शादी समारोह

मुंबई. शाबाश इंडिया। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के शादी की रस्मों की शुरूआत गरीब कन्याओं के सामूहिक विवाह से हुई। वंचित परिवारों से जुड़े 50 से अधिक जोड़े मुंबई से कोई 100 किलोमीटर दूर पालघर से आए थे। सामूहिक विवाह का आयोजन रिलायंस कॉरपोरेट पार्क में किया गया। इस सामूहिक विवाह में वर व वधू पक्ष के करीब 800 लोग शरीक हुए। इस मौके पर अंबानी परिवार ने ऐसे कई सामूहिक विवाह करवाने का संकल्प लिया। सामूहिक विवाह के अवसर पर नीता अंबानी व मुकेश अंबानी अपने परिवार के सदस्यों के साथ शामिल हुए। नव विवाहितों को अंबानी परिवार ने शुभकामनाएं दी। अंबानी परिवार की ओर से प्रत्येक जोड़े को मंगलसूत्र, शादी की अंगूठी और नाक की लोंग सहित सोने-चांदी के कई आभूषण भेंट किए। इसके अलावा, प्रत्येक दुल्हन को 'स्त्रीधन' के रूप में 1 लाख 1 हजार रुपये का चेक भी दिया गया।

लीनस क्लब जयपुर स्वरा का मानसून मेलोडीज कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनस क्लब जयपुर स्वरा का मानसून मेलोडीज कार्यक्रम का आयोजन मान्यवास स्थित एक होटल में किया गया। क्लब की अध्यक्ष निशा शाह और सचिव मानसी गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत डॉ राजीव- अंजू जैन द्वारा दीप प्रज्जवलन कर की गई। संस्थापक अध्यक्ष स्वाति जैन द्वारा ग्रुप की उपलब्धियां के बारे में बताया गया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक अंजू जैन और संयोजक शिखा बाकलीवाल और सुनीता जैन रही। सुप्रसिद्ध गायक सुदेश शर्मा, धर्मेंद्र छाबड़ा, फतेह अली , मकबूल,मोज्जम हुसैन , निशा राव और जावेद हुसैन के गीतों ने पूरे सभागार को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में मनोज - स्वाति जैन , प्रवीण- कविता जैन और सुधीर- हीरामणी सोनी, विनीत-सोनिका एव सुनील जैन अथिति के रूप में मौजूद रहे। स्वाति जैन ने कहा की इस तरह के आयोजन प्रत्येक वर्ष किये जायेंगे ।

कलेक्ट्रेट परिसर में 3 वाटर कूलर का उद्घाटन व भामाशाहों का सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेटस बार एसोसियेशन जयपुर अध्यक्ष गजराज सिंह राजावत ने बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में 3 वाटर कूलर का उद्घाटन व भामाशाहो का सम्मान समारोह व वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि सिविल लाईन विधान सभा के विधायक गोपाल शर्मा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ए.डी.एम प्रथम सुरेश नवल ने की, मुख्य अतिथि गोपाल शर्मा ने पार्किंग की समस्याओ के लिये घोषणा की कि शीघ्र ही कलेक्ट्री सर्किल पर पार्किंग का निर्माण करवाया जायेगा। दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेटस बार एसोसियेशन जयपुर व दी बार एसोसियेशन जयपुर के अधिवक्ताओ व आम जनता के बैठने के लिये एडवोकेट दीर्घा के निर्माण के लिये 25-25 लाख रुपए की राशि विधायक कोष से अलग अलग दी जाने की घोषणा की। महासचिव अखिलेश जोशी ने बताया कि कार्यक्रम में जयपुर बार एसोसियेशन के अध्यक्ष पवन शर्मा व महासचिव राजकुमार शर्मा दिनेश कुमावत एडवोकेट व दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेटस बार एसोसियेशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष विवेक शर्मा वृक्षारोपण कार्यक्रम के संयोजक अविनाश गोड व दीपक शर्मा भामाशाह रेखा जी, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा, रजनीश गोड, राकेश शर्मा , श्याम सिंह राठौड, गोपाल कृष्ण नारोलीया राजेश मीणा , रमेश कुमार, सीताराम सैनी ,रोशन लाल शर्मा, प्रदीप सिंह, दीपक सिंह जोधा, शत्रुघ्न सिंह, रमेश सिंह, सीताराम कुमावत प्रेम कुमार शर्मा, धमेन्द्र निर्वाण रेवती रमण राम आदि मौजुद रहे।

अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता बैनर का विमोचन हुआ

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। आचार्य वसुनन्दी जी महाराज के प्रेरणा से आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अहिंसक आहार का विमोचन वात्सलय रत्नाकर परम पूज्य 108 श्री विमल सागरजी महाराज व मयार्दा शिष्योत्म परम पूज्य 108 आचार्य भरतसागरजी महाराज की शिष्या परम पूज्य गुरु माँ आर्यिकारत्न 105 नन्दीश्वरमती माताजी के संघ सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज के श्री जैन वीर मण्डल कुचामन सिटी के तत्वाधान में पोस्टर का विमोचन किया गया। माताजी ने अहिंसक आहार के बारे में प्रकाश डालते हुए श्रावकों को इस प्रतियोगितता में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का आहवान किया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में जैन वीर मण्डल के अध्यक्ष सौभागमल गंगवाल, सुभाष पहाड़िया, पवन गोधा, भंवरलाल झांझरी, देवेन्द्र पहाड़िया, अमित पाटोदी, माणक काला, तेजकुमार बड़जात्या समाज के गणमान्य लोग व महिलाएं उपस्थित रही। प्रतियोगिता के जिला संयोजक सुभाष पहाड़िया ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री आदिनाथ ट्रस्ट के चुनाव में जैन अध्यक्ष एवं बांझल महामंत्री बने

इंदौर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट (आदिनाथ जिनालय) छत्रपति नगर के संपन्न चुनाव में सवार्नुमति से भूपेंद्र जैन देवरी वाले अध्यक्ष एवं विपुल बांझल महामंत्री मनोनीत किए गए। कार्यकारिणी के शेष पदाधिकारी एवं कार्यकारणी के सदस्यों का मनोनयन अध्यक्ष द्वारा शीघ्र किया जाएगा। दोनों पदाधिकारी के मनोनयन से समाज में हर्ष व्याप्त है। इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश चंद जैन, डॉ जैनेंद्र जैन, माणिकचंद नायक, पं रमेशचन्द्र बांझल, कमल जैन चैलेंजर, रमेश चंद एम पी ई वी, जिनेश जैन, निलेश जैन आदि उपस्थित थे। दोनों पदाधिकारियों को दि जैन समाज सामाजिक संसद के महामंत्री सुशील पांड्या, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मेन के अध्यक्ष संजय कासलीवाल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बधाई दी।

भगवान महावीर का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया हर्षोल्लास पूर्वक

संयम से ही मोक्ष का द्वार प्राप्त किया जा सकता है :आर्यिका विजय मति

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा कस्बे में विराजमान आर्यिका 105 विजयमति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में संघस्थ अल्पना दीदी के दिशा निर्देशन में श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद चोबीस तीर्थंकरों, पंचपरमेष्ठी, एवं पूवार्चार्यों कि पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में सामूहिक रूप से श्रीजी की महाशांति धारा की गई तथा जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जयकारों के साथ भक्ति भाव से गर्भ कल्याणक का अर्घ्य अर्पित कर विश्व में सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, कार्यक्रम में आर्यिका 105 विजय माताजी ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा संसार में प्राणी की इच्छा की आकांक्षाओं की कोई सीमा नहीं है, जब जब मनुष्य की इच्छाएं बढ़ती जायेगी तो मनुष्य पाप के मार्ग पर चलने लगेगा, मनुष्य अपने आत्म स्वरूप को भूल जायगा, इसलिए मनुष्य को संयम मार्ग पर चलकर आत्मस्वरुप को समझना चाहिए संयम से ही मोक्ष का द्वार प्राप्त किया जा सकता है ।कार्यक्रम में समाज के वयोवृद्ध कपूरचंद मांदी वाले, सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद बावड़ी,महावीर जैन लदाना,सुरेश मांदी, शिखर मोदी,सुरेश डेठानी, धर्मचंद पीपलू, कन्हैयालाल सिंघल, सीताराम कलवाड़ा,रतन नला, पारस नला, महेंद्र बावड़ी, रमेश बावड़ी,टीकम गिंदोडी, अनिल कुमार कठमाना, अशोक कागला, पारस मोदी , राजकुमार नला, विनोद मोदी, त्रिलोक पीपलू, सुनील मोदी, राजकुमार नला, कमलेश चोधरी, तथा राजाबाबू गोधा फागी सहित सभी श्रावक-श्राविकाएं मोजूद थे।

JSG Jain Social Groups International Federation Grow more to Serve more

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

श्री प्रदीप-श्रीमती अनीता अजमेरा

कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

3 जुलाई' 24

Happy Anniversary

9829025106

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष : सुनील सोगानी, आई पी पी : राहुल जैन
संस्थापक अध्यक्ष : मनीष झांझरी
पूर्व अध्यक्ष : अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष : संजय जैन
उपाध्यक्ष : अजय बड़जात्या, सचिव : विशुतोष चाँदवाड
सह सचिव : महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष : सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

वेद ज्ञान

दुख का मूल

भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। एक भिखारी हर रोज की तरह सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। कुछ दूर ही चला था कि अचानक सामने से राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। जैसे ही राजा भिखारी के निकट आया। उसने अपना रथ रुकवा लिया, लेकिन यह क्या राजा ने उसे कुछ देने के बजाय अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और उलटे उसी से भीख मांगने लगे। भिखारी को समझ ही नहीं आ रहा था कि वह करे तो क्या करे। खैर उसने अपनी झोली में हाथ डाला और जैसे-तैसे मन मसोस कर जौ के दो दाने राजा की चादर पर डाल दिए। राजा चला गया तो भिखारी भी दुखी मन से आगे चल दिया। उस दिन उसे और दिनों के मुकाबले कुछ ज्यादा ही भीख मिली, पर उसे खुशी नहीं हो रही थी। दरअसल उसे राजा को दो दाने भीख देने का बड़ा मलाल था। बहरहाल शाम को घर आकर जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। उसकी झोली में दो दाने सोने के हो गए थे। वह समझ गया कि यह सब दान की महिमा के कारण हुआ। उसे इस बात पर बेहद पछतावा हुआ कि काश, राजा को कुछ और दाने दान कर देता। वह समझ गया कि अवसर ऐसे ही लुके-छिपे ढंग से सामने आते हैं। समय रहते व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं पाता। यह मात्र कहानी नहीं है। जिंदगी की एक ऐसी सच्चाई है जिसे जानकर भी हम नहीं जानते जिसे समझ कर भी हम नहीं समझते। अंग्रेजी के विख्यात कवि वड्र्सवर्थ ने अपनी एक कविता में बड़े पते की बात कही है हम दुनिया में इतने डूबे हुए हैं कि प्रकृति से कुछ भी ग्रहण नहीं करते। उस प्रकृति से जो हमारी अपनी है। निन्यानबे के फेर में दुनिया के लेन-देन में अपनी सारी जिंदगी गुजार देते हैं। जिस दृष्टिकोण से जीवन का लक्ष्य बनाया है उसे पाने में जीवन की अधिकांश ऊर्जा लगाते हैं। सुख या दुख वस्तु के संग्रह से नापा जाने लगा है। अधिक से अधिक धन बटोरने की एक होड़ सी लगी हुई है। इसी होड़ में जीवन का वास्तविक अर्थ ही गुम होता जा रहा है। दुख का सबसे बड़ा कारण इच्छा या कामना ही है।

संपादकीय

भारतीय साक्ष्य अधिनियम का लागू होना सुखद

तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का लागू होना सुखद व स्वागतयोग्य है। इसके साथ ही भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव का दौर शुरू हो गया है। औपनिवेशिक युग के निर्मम या आम नागरिक विरोधी कानूनों को समाप्त करने की मांग लंबे समय से हो रही थी और अंततः अब पुलिस को अनुशासित के साथ-साथ कारगर बनाने

की ओर देश ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। पुलिस को अब सबसे पहले यह ध्यान में रखना होगा कि कोई भी कानून अगर लागू हो, तो सभी पर समान रूप से लागू हो। पुलिस प्रशासन की सफलता इसी में है कि तमाम लोगों को यह महसूस हो कि कानून न्यायपूर्ण ढंग से लागू किया जा रहा है। एक पहलू यह भी है कि पुलिस प्रशासन को कुशल और सक्षम बनाने के लिए संसाधनों की कमी आडे. नहीं आए। जिस स्तर की सेवा की उम्मीद लोग पुलिस से कर रहे हैं, उसके लिए सरकारों को पुलिस पर व्यय बढ़ाना होगा। सक्षम और सहयोगी पुलिस हमारे तेज विकास में कारगर होगी। ध्यान रहे, पिछले कानूनों में यह बड़ी कमी थी कि उनका इस्तेमाल गरीबों के खिलाफ जितनी आसानी से होता था, उससे कहीं ज्यादा कठिनाई से अमीरों के खिलाफ मामले दर्ज होते थे। आरोप सिद्ध होने या सजा के मामले में भी गरीबों को ही ज्यादा भुगतना पड़ता था। हम बार-बार कह रहे हैं कि इन तीन कानूनों ने ब्रिटिश काल के तीन कानूनों की जगह ले ली है, तो जमीन पर वास्तव में लोगों को यह एहसास कराना होगा कि ब्रिटिश हिसाब से बने कानून अब देश में नहीं चल रहे हैं। नए कानूनों में यह ताकत है कि इनसे अपने यहां संपूर्ण न्याय प्रणाली में आम नागरिकों के अनुरूप आधुनिक बदलाव हो सकता है। जीरो एफआईआर, पुलिस शिकायतों का ऑनलाइन पंजीकरण, एसएमएस जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सम्मन और सभी जघन्य अपराधों के लिए अपराध स्थलों की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान ज्यादा कारगरता के साथ लागू हो जाएंगे। केंद्र सरकार ने अपना काम कर दिया है और अब राज्यों को अपने स्तर पर इन अच्छे कानूनों को लागू करने की पूरी तैयारी करनी पड़ेगी और देश के ज्यादातर राज्यों में पुलिस जिस तरह से प्रशिक्षित हो रही है, इससे जुड़ी खबरों का सामने आना भी सुखद है। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि इन कानूनों के माध्यम से देश में पुलिस सुधार को भी बल मिलेगा। पुलिस कानून-कायदे के तहत काम करने को विवश या बाध्य होगी। इसके साथ ही, समग्र न्याय प्रणाली में इस स्याह पहलू को बहुत गंभीरता से देखने की जरूरत है कि ये अच्छे कानून कहीं भ्रष्ट आचरण से दुष्प्रभावित न हो जाएं। कानून बन जाना ही पर्याप्त नहीं है, यह देखना भी जरूरी है कि कानून को लागू करने और कराने वाले कितने ईमानदार हैं। राज्य सरकारों को प्रशिक्षण के स्तर पर यह सुनिश्चित करना होगा कि पुलिस सैद्धांतिक रूप से ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से कुशल और शालीन हो। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कानून की जगह

नए तीनों कानून लागू हो गए। सरकार का कहना है कि इन कानूनों के जरिए न्याय सुनिश्चित होगा, पुराने कानूनों का बल दंड पर अधिक था। नए कानूनों से आधुनिक प्रणाली स्थापित होगी। इनमें अब घर बैठे प्राथमिकी दर्ज कराने, शून्य प्रथमिकी के तहत किसी भी थाने में शिकायत दर्ज कराने जैसी सहूलियतें दी गई हैं, जिससे लोगों का समय बचेगा और त्वरित कार्रवाई हो सकेगी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अदालतों को भी तय समय के भीतर फैसला सुनाने की बाध्यता होगी। बलात्कार, बाल यौन शोषण जैसे मामलों में जांच और सुनवाई संबंधी सख्त नियम बनाए गए हैं। निस्संदेह, मामलों की जांच और सुनवाई में गति आएगी, तो लोगों को न्याय मिल सकेगा। मगर विपक्ष का कहना है कि इन कानूनों में कुछ ऐसी सख्त धाराएं बनाई गई हैं, जिनसे पुलिस को मनमानी का अधिकार मिलता और मानवाधिकारों के हनन का रास्ता खुलता है। खासकर आपराधिक कानूनों को लेकर व्यापक विरोध देखा जा रहा है। दरअसल, ये कानून विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी बहस के पारित हो गए थे, इसलिए इन पर विशद चर्चा नहीं हो पाई थी। इसलिए भी इनकी कई धाराओं को लेकर भ्रम और विवाद की गुंजाइश बनी हुई है। सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे। हालांकि ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि सारे कानून ब्रिटिश राज के समय से जस के तस चले आ रहे थे। उनमें समय-समय पर बदलाव होते रहे हैं, जिन कानूनों की प्रासंगिकता नहीं रह गई थी, उन्हें समाप्त भी किया गया। मगर फिर भी बहुत सारे कानून बदली स्थितियों से मेल नहीं खाते थे। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह अपराधों की प्रकृति बदली और देश की अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं, आतंकवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ी है, उसमें कुछ सख्त कानूनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर आपराधिक कानून बनाते समय यह ध्यान रखना भी जरूरी होता है कि उनका दुरुपयोग न होने पाए, उनके चलते सामान्य नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। औपनिवेशिक समय के राजद्रोह कानून की जगह देशद्रोह कानून लाने की इसीलिए सबसे अधिक आलोचना हो रही है कि उससे लोगों में नागरिक अधिकारों के हनन का भय अधिक पैदा होता है। हालांकि हर नए कानून के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा तो होती ही है, होनी भी चाहिए, मगर उन पर आम सहमति बने बिना लागू किए जाने से विवाद और नाहक भय का वातावरण बनता है। जब तक आम नागरिकों में इन कानूनों को लेकर भरोसा नहीं बनेगा, विरोध के स्वर उठते रहेंगे। जब ये कानून संसद में पारित हुए थे, तब उसके एक हिस्से को लेकर ट्रक चालकों ने देशव्यापी हड़ताल की थी। अब कई जगह खुद वकील इनके विरोध में उतरने वाले हैं। कुछ राज्यों ने इनके विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी है। संसद में विपक्ष तो हमलावर है ही। अगर सचमुच कुछ कानूनों की वजह से समाज में व्यवस्था के बजाय अव्यवस्था पैदा होती है, तो यह किसी भी तरह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं होगी।

JSGPL SEASON XI की चैलेंजर बनी चैंपियन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन सोशल ग्रुप नवकार, सनशाइन और स्पार्कल संयुक्त तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता JSGPL SEASON XI की विजेता टीम जे एस जी चैलेंजर्स बनी।फाइनल मैच सेंट पॉल स्कूल के ग्राउंड में खेला गया। जिसमें अंकित कवाड़ की कप्तानी वाली टीम चैलेंजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रेयांस सुराना की कप्तानी वाली टीम अनस्टोपेबल को जीत के लिए 104 रन का लक्ष्य दिया ।जिसे चैलेंजर्स के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अनस्टॉपेबल टीम को 69 रन पर ऑल आउट कर 34 रन से विशाल जीत हासिल की और इस कप को अपने नाम किया।विजेता टीम को शानदार ट्रॉफी और इनामी राशि का चेक दिया गया।इस फाइनल मैच में नवीन बागरेचा ने शानदार 59 रनो की पारी खेली और गेंदबाजी में एक विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच बने।जैन सोशल ग्रुप नवकार के सचिव विशाल कांकरिया ने बताया कि 19 मई से शुरू हुए इस टूर्नामेंट का समापन 30 जून को हुआ।पूरे टूर्नामेंट में तीनों ग्रुप की 8 टीम और 126 के बीच 33 मैच खेले गए।इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जिनेंद्र श्रीश्रीमाल जिन्होंने 324 रन बनाए और 15 विकेट भी लिए, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज वैभव लोढ़ा जिन्होंने 195 रन बनाए, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मृदुल जैन जिन्होंने 23 विकेट लिए, इंपैक्ट पारियों के लिए भूपेश भंसाली को इंपैक्ट खिलाड़ी, अर्हम नाहटा को उभरते खिलाड़ी का खिताब और नवीन मेहता को मूल्यवान खिलाड़ी के खिताब से नवाजा गया। इस टूर्नामेंट का अवार्ड समारोह जैन जवाहर भवन विनोद नगर में रखा गया। जिसमें नवकार अध्यक्ष गौरव ओस्तवाल, सनशाइन अध्यक्ष विक्रम सांखला, स्पार्कल अध्यक्ष मोहित कुमठ, टूर्नामेंट के टाइटल स्पॉन्सर वैभव लोढ़ा, कोटक बैंक, यस बैंक, मिस्टर इंवेस्टमेंट, सभी टीम स्पांसर पंकज डेढिया, मनीष मेहता, दिनेश तातेड, कमलेश मेहता, आशीष रांका, राजीव रांका,सुमित डोसी, प्रवीण मकाना, अंकित खिवासरा, ग्रुप के सभी पदाधिकारीगण, सदस्यगण और शहर के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। सनशाइन सचिव प्रतीक खटोड़ एवम स्पार्कल सचिव ऋषभ मोदी ने इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए सभी संयोजकों, खिलाड़ियों, स्पॉन्सर का धन्यवाद दिया।

जेएसजी प्लेटिनम ने किया फन एंड पूल पार्टी का आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि ग्रुप परिवार की पारिवारिक फन एंड पूल पार्टी का आयोजन रविवार को बंजारा हिल्स कंट्री साइड रिजॉर्ट पर रखा गया, जिसमें ग्रुप परिवार के दम्पति सदस्यों और बच्चों सहित 210 सदस्यों की उपस्थिति रही। ग्रुप अध्यक्ष विपिन जैन ने बताया कि सुहावने मौसम के साथ दोपहर 1.30 बजे सभी सदस्यों का स्वागत संचालक मंडल द्वारा किया गया । कार्यक्रम संचालन मंडल द्वारा विभिन्न प्रकार के गेम्स खिलाए गए सभी ने पूल व डांस के साथ स्वादिस्ट स्नैक्स का आनंद लिया। पूल पार्टी के पश्चात बच्चो की दो कटेगरी में 5 वर्ष तक के बच्चो की रेस व 6 से 13 वर्ष के बच्चो के लिए पजल गेम का आयोजन किया गया दोनों कैटेगरी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे बच्चो को पुरस्कार दिया गया साथ ही सभी बच्चो को भी पारितोषिक दिया गया, बड़े बच्चो और सदस्यों के लिए हाउजी व बलून गेम का आयोजन किया गया। ग्रुप सचिव सुमित खाब्या ने बताया की कार्यक्रम में ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत, पूर्व अध्यक्ष प्रीतेश जैन, मुकेश चपलोत, आशीष रत्नावत, उपाध्यक्ष तनुजय किकावत, कोषाध्यक्ष पंकज जैन, पीआरओ एडमिन हेमेंद्र जैन, पीआरओ ग्रीटिंग्स हेमन्त सिसोदिया की उपस्थिति रही, कार्यक्रम के अंत मे डिनर पूर्व सभी गेम्स में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे विजेताओं को पारितोषिक दिया गया।

शाश्वत तीर्थ सम्मेदशिखर जी में कितनी बदल रही है तेरहपंथी कोठी

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया

जैन ग्रंथों के अनुसार सम्मेदशिखर जी और अयोध्या का अस्तित्व सृष्टि के समानान्तर है इसलिये इनको शाश्वत माना जाता है। श्री सम्मेदशिखर जी के पुण्य स्थल पर जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थकरों ने मोक्ष प्राप्त किया था। यहां पर यात्रियों के ठहरने के लिये अनेक धर्मशालायें हैं, उनमें से एक है। श्री दिगम्बर जैन तेरहपंथी कोठी मधुवन, लगभग 200 वर्ष पुरानी। इस कोठी की नव निर्वाचित श्री बंगाल, बिहार, उड़ीसा दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी, कलकत्ता ने कुछ समय पूर्व ही कार्यभार संभाला है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने इस कोठी की सार संभाल तेज गति से शुरू कर दी है। इस परम्परागत और सांस्कृतिक विरासत को संभालने की जिम्मेदारी अब इसी कमेटी के कंधों पर है। कमेटी के अध्यक्ष अजीत जैन पांड्या के अनुसार, सम्मेदशिखर जी में आधुनिक व्यवस्थाओं की लंबी फेहरिस्त है, यहां धार्मिक माहौल है और इसी तीर्थ की तलहटी में 200 वर्ष पुरानी एक संस्था है जो अब बदल रही है, जहां कमेटी की कर्मठता से विकास कार्य हो रहे हैं, इस कोठी का स्वरूप बदलता हुआ नजर आने लगा है। कमेटी के महामंत्री विनीत जैन झांझरी ने बताया कि समस्यायें क्या हैं और उनका निदान क्या हुआ, कौन कौन सी उपलब्धियां हैं, बहुत कम समय में तो कुछ भी बताना संभव नहीं है लेकिन हम अभी यह देख रहे हैं कि यहां जो भी यात्री आते हैं या यहां के जो भी कर्मचारी हैं, वे किसी न किसी समस्या से ग्रसित रहते थे, उनकी समस्याओं पर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। पूजा विधि, विधान और सेवाओं का अभाव अब आगम की अनुकूलता के अनुसार चले, इसके लिये कमेटी के ट्रस्टियों के बीच आकुलता स्पष्ट दिखाई देने लगी है। शायद यही वजह है कि मंदिरों के गुंबजों से लेकर फर्श तक, सभी स्तर पर काम किया जा रहा है। मूलनायक पुष्पदंत स्वामी जी के मंदिर में पूजन-विधान की प्रक्रिया हर मौसम में निर्बाध संपन्न हो सके, उसके इंतजाम किये गये हैं। गर्मी के मौसम में संगमरमर के पत्थरों से उनके पैर न जलें, उसकी व्यवस्था की गई है तो विधान के लिये शेड तैयार किया गया है। मंदिर जी के शिखर, छतों व फर्श आदि के वाटरप्रूफिंग, हीटप्रूफिंग व अन्य संबंधित कार्य डोलफिन इन्फ्राटेक, जयपुर के राजेन्द्र जैन द्वारा किये जा रहे हैं। साथ ही मंदिर जी की व्यापक तौर पर साफ-सफाई की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके अलावा कई स्तरों पर निर्माण व सुधार कार्य भी किये जा रहे हैं। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए ब्लॉक-बी का 15 से 20 दिनों में ही कायाकल्प किया जा चुका है। पानी की समस्या दूर करने के लिये जलस्त्रोतों को दुरूस्त किया जा रहा है तो बिजली की पुरानी वायरिंग या खुले तारों को ठीक करवाया जा रहा है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. के. जैन एवं यहां के कर्मचारियों का भी पूर्ण सहयोग कमेटी को मिल रहा है। यहां पर कमेटी कार्यालय के निर्माण के साथ-साथ केन्टीन को आधुनिक बनाया गया है और भोजनालय का निर्माण भी व्यवस्थित ढंग से किया गया है। भविष्य में आवास के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाओं का डिजिटलाईजेशन भी शीघ्र करवाये जाने की योजना है। महामंत्री विनीत जैन झांझरी बताते हैं कि यात्रियों को कोई भी परेशानी आयेगी तो उसकी जिम्मेदारी हमारी होगी, उनको अच्छी सुविधायें देने के लिये हम दृढ़ संकल्पित हैं। हमें विश्वास है कि इस बार जब आप इस कोठी में आयेंगे तो आपको अपेक्षित बदलाव नजर आयेगा।

जीवन मे सदैव पुण्य एकत्रित करने का अवसर ढूंढ़ना चाहिये: अंतर्मना आचार्य 108 प्रसन्नसागरजी महाराज

हैदराबाद. शाबाश इंडिया

'क्रोध, मान, माया, लोभ चार कषाय हैं। जो आत्मा को कसे, उसे कषाय कहते हैं। कषाय का आवेग होने पर उसमें बह नहीं जाना चाहिए, अपितु समता और शांति भाव से कषाय को जीतने का प्रयास करना चाहिए।' उक्त उद्गार आगापुरा स्थित श्री 1008 चन्द्रप्रभु जैन मंदिर में जारी ज्ञान, ध्यान, शिक्षण शिविर में उपाध्याय 108 पीयूष सागरजी महाराज ने व्यक्त किए। पूज्यश्री ने कहा कि जब कोई व्यक्ति आप पर क्रोध करे, तो पहले आप थोड़ी देर के लिए शांत रहें, उसके बाद उसे जी लगाकर बात करें। क्रोध को क्रोध से नहीं, अपितु क्षमा और शांति से जीता जा सकता है। अंतर्मना आचार्य 108 प्रसन्नसागरजी महाराज ने कहा कि लोगों को सदैव पुण्य एकत्रित करने का अवसर ढूँढ़ना चाहिए। दान और पूजन, तीर्थ यात्रा इसमें सहायक होते हैं। व्यक्ति को शाश्वत तीर्थ अयोध्या और शिखरजी की यात्रा एक बार अवश्य करनी चाहिए। किसी की मुनि दीक्षा हो रही हो या किसी मुनि की समाधि हो रही हो, तो उसमें अवश्य जाना चाहिए। किसी मुनि को आहार दान जरूर देना चाहिए। जो मनुष्य अपने जीवन में ये काम नहीं करता, उसका जीवन बेकार है। कुछ तो है जो बदल गया है,

शाख के पत्तों का रंग उतर गया है..
एक वक्त था जब हर वक़्त साथ था वो मेरे,
शायद अब वक़्त बदल गया है..!

पहले लोग कभी-कभी बूढ़े हुआ करते थे, मगर आज कल लोग आए-दिनों बढे.जाते हैं, समय से पूर्व ही बूढे. हो जाते हैं ऐसा क्यो ? क्योंकि आदमी का खान-पान, रहन-सहन सब कुछ बदल गया है। पाश्चात्य जीवन शैली आ गई है। पहले लोग कभी कभार बीमार होते थे और आज कल--? बस पूछो ही मत, कभी कभी स्वस्थ दिखते हैं। बाकी तो बीमारियाँ बनी ही रहती है। बीमारियाँ क्या बढ़ी, डॉक्टरों की चांदी हो गई। संसार में डॉक्टर एक ऐसा अद्भुत प्राणी है जो यह तो नहीं चाहता कि मरीज मरे, पर यह जरूर सोचता है कि आदमी सदा बीमार बना रहे। आदमी के बीमार रहने से ही डॉक्टर स्वस्थ है। वकील हमेशा यही सोचता है कि लोग खूब लड़े, लोग लड़ेंगे तो वकील की दुकान चलेगी।

महावीर दुनिया के पहले महापुरुष हैं, जिन्होंने कहा कि दो ध्यान बुरे होते हैं और दो ध्यान अच्छे होते हैं -- आर्त ध्यान और रौद्र ध्यान बुरे हैं।

धर्म ध्यान और शुक्ल ध्यान अच्छे हैं : प्रवर्तक मुनि 108 सहजसागरजी महाराज ने शिविरार्थियों को शिक्षण देते हुए कहा कि आचार चार प्रकार का होता है। पहला कुलाचार, दूसरा ग्रहस्थाचार, तीसरा श्रावकाचार और चौथा मूलाचार। नित्य देव दर्शन, पानी छानकर पीना, रात्रि भोजन का त्याग, अष्टमूलगुणों का पालन और सप्त व्यसन का त्याग ये कुलाचार है। जैन कुल में उत्पन्न हुए हो, तो इस कुलाचार का पालन करना ही होगा। देव पूजा, गुरु उपास्ति, स्वाध्याय, संयम, तप, दान यह गृहस्थ जीवन के आवश्यक कार्य हैं। 5 अणुव्रत, 3 गुणवत, 4 शिक्षाव्रत यह व्रत श्रावकाचार है। 28 मूलगुणों का पालन मुनि का मूलाचार है। अपनी अवस्था अनुरूप इनका पालन जीवन में आवश्यक है। मनुष्य को सुबह जल्दी उठना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया कि जो सूर्योदय से पहले उठता है, वह देवता के समान होता है, जो सूर्योदय के समय उठता है, वह मनुष्य के समान होता है और जो सूर्योदय के बाद उठता है, वह राक्षस के समान होता है। हमें प्रातः उठते ही नौ बार णमोकार मंत्र एवं चत्तारि मंगल का पाठ करना चाहिए। मंदिर नंगे पैर आना चाहिए। 1 घंटे का मौन लेकर उसमें जाप, स्वाध्याय, आत्मचिंतन करें। विभिन्न शिविरार्थियों ने कहा कि हमें इस शिविर से बहुत लाभ हो रहा है। अनेक नई-नई बातें जानने, सीखने को मिल रही है। बहुत बड़ी संख्या में लोग अभिषेक भी कर रहे हैं। मंत्री राजेश पाटनी ने बताया कि शिविर स्थल पर सभी शिविरार्थियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई है। शिविर में महिलाएं और युवतियां बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं। 20-25 किलोमीटर दूर से शिविरार्थी आगापुरा जिनालय में उपस्थित हो जाते हैं। अंतर्मना संघ सान्निध्य में शिविर 6 जुलाई तक चलेगा।

संकलन : नरेंद्र अजमेरा-पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

मुनि श्री 108 अर्चित सागर जी महाराज का बरकत नगर मे मंगल प्रवेश 12 जुलाई को

वर्षायोग स्थापना 21 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया। धर्म नगरी जयपुर में इतिहास रचते हुए इस बार दीक्षा गुरु आचार्य श्री विवेक सागर महाराज के शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 अर्चित सागर जी महाराज का वर्षायोग स्थापना समारोह 21 जुलाई को णमोकार भवन बरकत नगर में सम्पन्न होगा। निरन्तर 14 वर्षायोग सम्पन्न करा चुके महापुण्य शाली पुण्यार्जक चक्रेश कुमार जैन परिवार ही इस पन्द्रहवे वर्षायोग के भी पुण्यार्जक होंगे। वर्षायोग समिति के महामंत्री निर्मल कुमार जैन अलवर वालो ने बताया कि समिति ने ग्राम सरवाड़ जिला केकड़ी में पहुंच कर महाराज श्री को श्री फल समर्पित कर वषायोग हेतु निवेदन किया जिसे पूज्य अर्चित सागर जी ने स्वीकार करते हुए बरकत नगर जयपुर में वर्षायोग स्थापना की घोषणा की जिससे समाज में हर्ष की लहर व्याप्त हो गई। जिला केकड़ी के ग्राम सरवाड़ में आज बरकत नगर समाज की और से पुनः श्रीफल समर्पित करने पहुंचे अध्यक्ष चक्रेश कुमार जैन, मंत्री निर्मल कुमार जैन कोषाध्यक्ष सतीश जैन, मुकेश जैन मित्तल, योगेन्द्र जी . महावीर कुमार जैन एल आई सी त्रिलोक जैन महिला मंडल संरक्षक श्रीमती सरला जैन वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती मैना कासलीवाल जी अशोक माथुर,नेमीचन्द शर्मा, रोशल लाल सेनी, राम अवतार शर्मा, सतीश जैन अकेला आदि प्रमुख थे। पूज्य श्री का कल वहां से विहार प्रारम्भ होगा तथा 12 जुलाई को बरकत नगर के णमोकार भवन में मंगल प्रवेश होगा । सारवाड़ समाज द्वारा यहाँ बरकत नगर समाज का भावभीना स्वागत किया गया । 15 वे वर्षायोग की स्थापना इक्कीस जुलाई को घूमधाम से हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न कराई जाएगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मुनि समत्व सागर ससंघ को जनकपुरी समाज ने किया प्रवास हेतु श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी - ज्योति नगर जैन समाज द्वारा बापू नगर गणेश मार्ग चैत्यालय में विराजित आचार्य श्री १०८ विशुद्ध सागर जी के परम प्रभावक होनहार शिष्य मुनि श्री १०८ समत्व सागर जी व मुनि श्री १०८ शील सागर जी को अल्प प्रवास तथा मूलनायक भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक व मन्दिर जी के पैंतालीसवें स्थापना दिवस पर पावन सानिध्य प्रदान करने हेतु श्रीफल भेंट किया गया। इस अवसर पर जनकपुरी ज्योतिनगर मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने कहा कि मन्दिर जी के ऐसे दो मुख्य अवसर पर मुनि श्री का मंगल सानिध्य समाज में धर्म प्रभावना की गंगा बहायेगा। अध्यक्ष के साथ समिति के सोभाग अजमेरा, जितेंद्र मोहन, महावीर बिंदायक्य,महिला मंडल की अध्यक्षा शकुन्तला बिदायक्य , सुलोचना पाटनी सोनिया बाँदीकुई , युवा मंच के अध्यक्ष अमित शाह मंत्री प्रतीक जैन, विकास साखूनिया, जिनेंद्र बाकलीवाल, अनिल बगड़ा , निकिता साखूनिया , प्रियंका बाकलीवाल , बिधान सभा के कमलेश जैन सहित डॉ. इन्द्र कुमार, श्रेष्ठी राजेंद्र बडजात्या , महेश सौगानी, दिलीप चाँदवाड , राजेंद्र ठोलिया , राकेश ठोलिया ताराचंद झागवाले , गुलाब जैन , नवीन पांड्या , आदि उपस्थित ने रह कर सहभागिता की तथा मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। संघ का जनकपुरी में संभावित प्रवास 13 जुलाई प्रात से 18 जुलाई प्रात तक है तथा जनकपुरी से ही चातुर्मास हेतु कीर्तिनगर में मंगल प्रवेश प्रस्तावित है ।

मुनि श्री समत्वसागर जी ने पंचतीर्थ जिनालय टोडरमल स्मारक के दर्शन किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। परमपूज्य आचार्य 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 समत्वसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 शीलसागर जी महाराज ने आज प्रातः पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैतालय, गणेश मार्ग, बापू नगर से प्रस्थान कर सावित्री पथ से मंगल मार्ग, गांधी नगर मार्ग होते हुए प्रातः ठीक 6.30 बजे टोडरमल स्मारक भवन पहुंचे। मार्ग में स्थान-स्थान पर श्रावकों ने मुनि श्री के पाद प्रक्षालन कर आरती उतारी। पंडित टोडरमल स्मारक भवन पंहूचने पर ट्रस्ट के अध्यक्ष-सुशील कुमार गोदिका, महामंत्री-परमात्म प्रकाश भारिल्ल, मंत्री - शुद्धात्म प्रकाश भारिल्ल, टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के उपप्राचार्य जिन कुमार जैन, पंडित जिनेन्द्र शास्त्री, हीरा चन्द बैद ने महाराज श्री की अगवानी की। सर्वप्रथम महाराज श्री ने पंचतीर्थ जिनालय के दर्शन कर भगवान महावीर स्वामी की भव्य खड्गासन प्रतिमा के अभिषेक देखें। यहां पर एस.पी.भारिल्ल, हीरा चन्द बैद व परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने टोडरमल स्मारक भवन व महाविद्यालय की स्थापना से अब तक के इतिहास से मुनि श्री को अवगत कराया। सीमंधर जिनालय पहुंचे, यहां पर पवन बज द्वारा किए जा रहे भगवान सीमंधर स्वामी, आदिनाथ भगवान व शांतिनाथ भगवान के अभीषेक देखने के पश्चात डा. हुकुम चन्द भारिल्ल प्रवचन मण्डप में गये जहां नये पुराने विद्यार्थियों से धार्मिक ग्रंथों पर चर्चा हुई । मुनि श्री समत्वसागर जी ससंघ के साथ मनोज झांझरी , रमेश बोहरा, राजकुमार सेठी, राजीव जैन गाजियाबाद, रवि सेठी, राजेश बड़जात्या, दीपांशु जैन, दिशिका जैन के अलावा अनेक श्रावकश्रेष्ठी थे। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार गोदिका ने मुनि श्री को ट्रस्ट द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

मूलनायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान, दुर्गापुरा

।। श्री चन्द्रप्रभ देवाय नमः ।।

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा, जयपुर

प.पू. आचार्य श्री 108 देशभूषण जी महामुनिराज की परम्परा के वरदत्त सागर जी के शिष्य

मुनि श्री 108 महिमासागर जी मुनिराज ससंघ

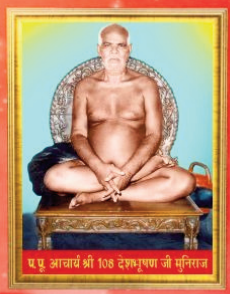
प.पू. आचार्य श्री 108 देशभूषण जी मुनिराज

का भव्य मंगल प्रवेश

दिनांक 3 जुलाई 2024 प्रातः 6.30 बजे

मुनिराज ससंघ श्री 1008 श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मन्दिर, शक्ति नगर गोपालपुरा बाईपास से प्रातः 6 बजे विहार करके महावीर नगर डेयरी से जुलूस के रुप में गाजे-बाजे के साथ श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा पहुँचेंगे। आप सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं से निवेदन है कि उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

आयोजक एवं निवेदक: श्री दिगम्बर जैन मन्दिर (चन्द्रप्रभजी) ट्रस्ट, दुर्गापुरा

श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा एवं सकल दिगम्बर जैन समाज दुर्गापुरा, जयपुर

निराश्रित 250 व्यक्तियों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति के विभिन्न कार्यक्रमो की कड़ी में आज सर्वप्रथम सी. ए. दिवस पर ए. एस. इंस्टिट्यूट पर शॉल और माला पहनाकर सी. ए. का स्वागत किया गया। महासमिति के तत्वाधान में आज स्व. श्रीमती विद्या देवी जैन की पुण्यस्मृति में उनके पौत्र मनीष सेठी, सागर सेठी द्वारा जे. एल. एन. अस्पताल की इंद्रा रसोई में निराश्रित 250 व्यक्तियों को भोजन कराया गया। तत्पश्चात मीनू स्कूल चाचियावास के 100 दिव्यांग विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। विद्यालय के 36 वें स्थापना दिवस समारोह में दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों को सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बड़ा धड़ा अध्यक्ष श्री प्रदीप पाटनी के जन्मदिन के उपलक्ष में अध्यापक एवं विधार्थियों की उपस्थिति में केक काटा गया एवं विद्यालय को तीन पंखे भेंट कर अपने जन्मदिन को श्री प्रदीप पाटनी ने सार्थक किया। उपाध्यक्ष श्री प्रकाश पाटनी ने विद्यालय में अपने संबोधन में विद्यालय परिवार को 36 वें स्थापना दिवस की बधाई दी तथा बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया तथा महासमिति अध्यक्ष रूपश्री जैन ने सभी का आभार प्रकट किया।

एनआईआरसी ने सीए विमल जैन को दिया यशस्वी सीए आवर्ड

नई दिल्ली (मनोज जैन नायक)

भारत की राजधानी दिल्ली में एन आई आर सी व्दारा आयोजित समारोह में सीए विमल जैन को यशस्वी सी ए अवार्ड देकर सम्मानित किया। विगत दिवस एन आई आर सी द्वारा यशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन इंदिरा गांधी स्टेडियम दिल्ली में आयोजित किया गया । जिसमें अखिल भारत वर्षीय जैसवाल जैन उपरोचिया सेवा न्यास के न्यासी एवं जैन समाज के वरिष्ठ सीए श्री विमल जैन को 'यशस्वी सीए आवर्ड' से सम्मानित किया गया। सीए विमल जैन देश की अर्थव्यवस्था में जीएसटी सलाहकार (भारत सरकार) के साथ साथ धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में संलग्न रहते हैं। श्री जैन अंहिसा प्रभावना के सीए जगत के प्रधान संपादक होने के साथ- साथ अनेकों संस्थाओ से जुडे हुए है। सीए विमल जैन के सम्मानित होने पर न्यास परिवार, सन्मति फाउंडेशन, अहिंसा प्रभावना परिवार के साथ मनोज जैन शशि, अंकित जैन, डॉ.इन्दु जैन, नीरू जैन', डॉ.अल्पना जैन, रितेश जैन, संजीव सोगनी, मनोज जैन नायक, चक्रेश जैन, सुरेश चंद जैन बाबूजी, सौरभ जैन, सुनील जैन वरवाई, दिनेश जैन टीटू, अजय जैन अजिया, मनोज जैन टिंवकल, कुंजल जैन, गोकुल चंद जैन ने बधाई प्रेषित की।

भगवान की वाणी ध्वनि है जो ओमकार मयी है: स्वस्ति भूषण माताजी

केशोरायपाटन. शाबाश इंडिया

परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी सानिध्य में अतिशय क्षेत्र पर कल्पद्रुम महामंडल विधान चल रहा है जो बहुत ही भक्ति भाव के साथ हो रहा है। पूज्य गुरू मां ने मंगलवार की बेला में धर्म सभा को संबोधित करते हुए ओम और ओमकार के विषय में अंतर को समझाया पूज्य माताजी ने बताया कि ओम और ओमकार दोनों में अंतर है ! ओम व्यंजन है ओमकार स्वर है ! भगवान की वाणी को दिव्य ध्वनि कहते हैं ! ध्वनि का अर्थ आवाज और दिव्य का अर्थ अलौकिक ! जिसके समान कोई आवाज ना हो हित मित प्रिय हो ! जैसे घंटा बजाने से ध्वनि निकलती है शब्द नहीं हुआ स्वर हुआ ! ऐसे ही भगवान की वाणी ध्वनि है जो ओमकार मयी है ! इस ध्वनि में 11 अंग 14 पूर्व का ज्ञान समाहित है ! माताजी ने उदाहरण के माध्यम से समझाया कि जैसे संसद में स्पीकर हिंदी में बोलते हैं और हेडफोन के माध्यम से सभी सांसदों को अपनी अपनी क्षेत्ररीय भाषा में समझ में आ जाता है वैसे ही भगवान की ध्वनि खिरती तो ओमकारमयी है लेकिन समवशरण में बैठे प्रत्येक जीव को अपनी अपनी भाषा में समझ आ जाता है ! समवशरण - जहाँ पर सभी को समान रूप से शरण मिलती है उसका नाम है समवशरण ! वहाँ कोई छोटा नहीं वहाँ कोई बड़ा नहीं ! गाय आये शेर तो उनके लिए स्थान है देव आएं तो उनके लिए स्थान है मनुष्यों के लिए स्थान है ! गणित में करण का भव से तरण का और भगवान के समवशरण का बड़ा ही महत्त्व है ! भगवान का जो समवशरण है वह पुण्य भूमि पर लगता है ! जब तीर्थंकर भगवान का गर्भ कल्याणक होता है तो 6 माह पूर्व से 9 माह बाद तक रत्नो की वर्षा होती है ! ऐसे पुण्यशाली भगवान जो अपना सर्वस्व सांसारिक वैभव त्याग कर निज और पर का कल्याण करते हुए मोक्ष को प्राप्त करते हैं ! कल्पद्रुम महामंडल विधान का ये भव्य आयोजन चल रहा है निश्चित रूप से आप सभी बड़े पुण्यशाली हैं जो भगवान के समवशरण में बैठकर उनकी पूजन अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है! **चेतन जैन केशवरायपाटन से प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**